किसानों ने मचाया शोर।
कोका-कोला पानी चोर।।

दूध दही के देश में
पेप्सी कोला नहीं चलेगा।।

पेप्सी-कोक भगाओ, पानी बचाओ अभियान

जल अधिकार पदयात्रा

23 अक्टूबर 2007 से 24 अक्टूबर 2007 तक
(जिला मुख्यालय बलिया से कोका-कोला प्लांट, सिंहाचवर तक)
23 अक्टूवर दोपहर 11 बजे से जिला मुख्यालय बलिया पर विशाल धरना-प्रदर्शन

साथियों,

वैज्ञानिको का कहना है कि अगर पृथ्वी पर तीसरा विश्व युद्ध हुआ तो, वह पानी के लिए होगा। क्योंकि पानी का संकट पूरी दुनिया में उत्पन्न हो रहा है। इसलिए अभी से ही बड़ी- बड़ी बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ पानी को अपने नियंत्रण में करने का प्रयास कर रहीं हैं, और पानी जैसे अनमोल धरोहर को दूध से भी महँगा दाम पर बेचकर अरबों रूपये मुनाफा कमा रहीं हैं। जिसमें अमेरिका की दो बड़ी कम्पनी पेप्सी कोला व कोका कोला प्रमुख है। कोका कोला कम्पनी ऐतिहासिक स्थल बलिया जिले के सिंहाचवर गाँव में आकर लगी है यह धरती ऋषि-मुनियों और बलिदानियों के नाम से जानी जाती है जहाँ 1857 के गदर को बलियां के ही मंगल पाण्डे ने नेतृत्व दिया था और 1942 के अंग्रजो भारत छोड़ो आन्दोलन के तहत चित्तू पाण्डे के नेतृव में सात दिनों तक अपनी स्वतत्र सरकार बनायी थी। लेकिन आज यह जिल एक बार फिर बहुराट्रीय कंपनियों के चंगुल में फस गया है। जो कि बलियां के निवासियों के लिए शर्मनाक बात है।

केरल सरकार ने वहाँ के प्लाचीमाडा गाँव में लगी कोका कोला कम्पनी पर जमीन के नीचे से पानी निकालने पर प्रतिबन्ध लगा दिया है। क्योंकि कोका कोला कम्पनी वहाँ के जमीन से इतना पानी निकाल रही थी कि कम्पनी के आस-पास के 3 कि.मी. की क्षेत्र में भयंकर पानी का संकट उत्पन्न हो गया। लोगों के कुएँ, हैंडपम्प व ट्यूबवेल सूख गये। कम्पनी के कचरे व प्रदूषण के कारण पानी पीने योग्य नहीं रह गया।

इसी प्रकार बलिया (उ0प्र0) स्थित सिंहाचवर गाँव में स्थापित वृन्दाबन कोका कोला बाँटलर्स कम्पनी रोजाना लाखों लीटर पानी जमीन से निकाल रही है, जिससे क्षेत्र में भयंकर पानी का संकट उत्पन्न हो रहा है। किसानों के कुएँ, हैंडपम्प व ट्यूबवेल का जल स्तर दिन प्रतिदिन नीचे जा रहा है। कोका कोला कम्पनी के कचरे व प्रदूषित पानी से किसानों की फसल व जमीन बर्बाद हो रही है। कम्पनी के समीप लकडा नदी में कम्पनी अपना प्रदूषित पानी व कचरा डाल रही है जिसके कारण उक्त नदी का पानी दूषित हो गया है जिसको पीने से कई जानवर बीमार हो गये और नदी की मछलियाँ मर रही हैं। इतना ही नहीं कोका-कोला कम्पनी ने सिंहाचवर की सार्वजनिक जमीन व सार्वजनिक रास्ते पर अवैध कब्जा कर रखा है।

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने कम्पनी के कचरे की जाँच किया तो पता चला कि कचरे में कैडमियम, क्रोमियम तथा शीशा जैसे खतरनाक तत्व मिलें हैं जो इन्सान को कैंसर तथा कई जानलेवा बीमारी को पैदा करतें हैं। पिछले कई साल से क्षेत्र के किसान, नौजवान व महिलाएँ कम्पनी को बन्द करने की माँग कर रहें हैं।

अभी हाल ही में दिल्ली की एक संस्था सी. एस. ई. ने जाँच करके ये भी साबित किया कि शीतलपेय पदार्थों में कैफीन, लिंडेन, डी.डी.टी., मैलाथियान तथा क्लोरपायरीफास जैसे खतरनाक कीटनाशक पदार्थ पाये गयें हैं, जो स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक होतीं हैं। देश भर में पेप्सी व कोका कोला के कुल 90 कारखाने लगें हैं, इनके काले कारनामें से यह साबित होता है कि एक तरफ ये पानी का असीमित जलदोहन करके जल संकट पैदा कर रहीं हैं, वहीं दूसरी तरफ प्रदूषण फैलाकर तथा जहरीला पेय पदार्थ पिलाकर लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। हमारा कानून कहता है कि पानी पर जनता का अधिकार है, कोई भी कम्पनी या सरकार पानी का बेहिसाब जलदोहन नहीं कर सकती है। पानी जीवन के लिए है मुनाफे के लिए नहीं, इसलिए हमें अपने पानी की रक्षा के लिए संकल्प करना होगा।

अतः आम जनता से अपील है कि आप सरकार से माँग करें कि अविलम्ब कोका कोला द्वारा किये जा रहे जल दोहन पर रोक लगाये तथा इनके बिक्री व उत्पादन को प्रतिबन्धित करें। खुशी की बात है कि कई राज्य सरकारों ने स्कूल, कॉलेजों सरकारी दफ्तरों में इनके बिक्री पर प्रतिबन्ध लगाया है। केरल राज्य ने तो पूरे राज्य भर में इनके बिक्री और उत्पादन दोनो पर प्रतिबन्ध लगाया है। दिनांक 23 अक्टूबर 2007 से कंपनी के खिलाफ जल अधिकार पदयात्रा बलिया जिला मुख्यालय से निकलेगी और दिनांक 24 अक्टूबर 2007 को कोका-कोला कम्पनी सिंहाचवर पर विशाल धरना-प्रदर्शन किया जायेगा।अतः आप लोगों से निवेदन है कि भारी संख्या में भागीदारी कर कार्यक्रम को सफल बनावें।

निवेदक : कोका-कोला भगाओ-कृषि बचाओ जन संघर्ष समिति, सिंहाचवर, बलिया

कोका कोला के ख़िलाफ़

सिंहाचवर चलो!

दिनांक- 24 अक्टूबर को 12 बजे वृन्दाबन, कोका-कोला बाटलर्स प्लांट पर विशाल धरना -प्रदर्शन

हमारी मांगें :

- वृन्दाबन कोका-कोला बॉटलर्स प्लांट, सिंहाचवर का लाइसेंस रद्द करो।
- कोका कोला द्वारा किये जा रहे भू-गर्भ जल दोहन व प्रदूषण पर रोक लगाओ।
- पानी का निजीकरण बंद करो।
- कोका कोला कम्पनी द्वारा ग्राम सभा की सार्वजनिक जमीन व रास्ते पर किये गये अवैध कब्जा को हटाओ।
- जहर पिलाने वाले पेप्सी व कोका कोला के उत्पादन व बिक्री पर प्रतिबन्ध लगाओ।

आयोजक : कोका-कोला भगाओ-कृषि बचाओ जन संघर्ष समिति, सिंहाचवर, बलिया

सम्पर्क व निवेदक : बलिराम राम/श्रीमती चिन्ता देवी (ग्राम प्रधान एवं कार्यक्रम संयोजक मो. 9450779325), चितरंजन सिंह (पीयूसीएल मो. 9415249770), शिव प्रसाद (मो. 9452584987), मनोज/विहारी/विनय (मो. 9451509761), चन्द्रकेश सिंह (संरक्षक प्रधान संघ मो. 9415252047), दिनेश्वर गिरी (अध्यक्ष प्रधान संघ बलिया मो. 9415659533), अजहर अली (मो. 9450777864), डा0 हैदर अली (05498-222133), रणजीत सिंह (मो. 9452099890), विजय पाण्डेय (आशा मो. 9335341150), डा. संदीप पाण्डेय (एनएपीएम), प्रो. बनवारी लाल शर्मा (आजादी बचाओ आन्दोलन), अरविन्द मूर्ति, नन्दलाल मास्टर (लोक समिति), केशव चन्द, चंचल मुखर्जी, फादर आनन्द, कविलास सिंह (मो. 9450408305), बनवारी लाल श्रीवास्तव, अनिल सिंह, अजय पाण्डेय, अखिलेश सिन्हा, शैलेश धुसिया, धनश्याम सिंह सोलंकी, राजकुमारी गांधी, बालचन्द प्रधान, दिलीप सिंह रेवती, जगदीश प्रसाद गुरवाँ, राम प्रवेश राम एवं समस्त क्षेत्रीय नागरिकगण।

नोट : पदयात्रा दिनांक 23-10-2007 दोपहर 2 बजे जिला मुख्यालय बलिया से आरम्भ होगी और रात को जू. हा. स्कूल फेफना मे ठहरेगी।